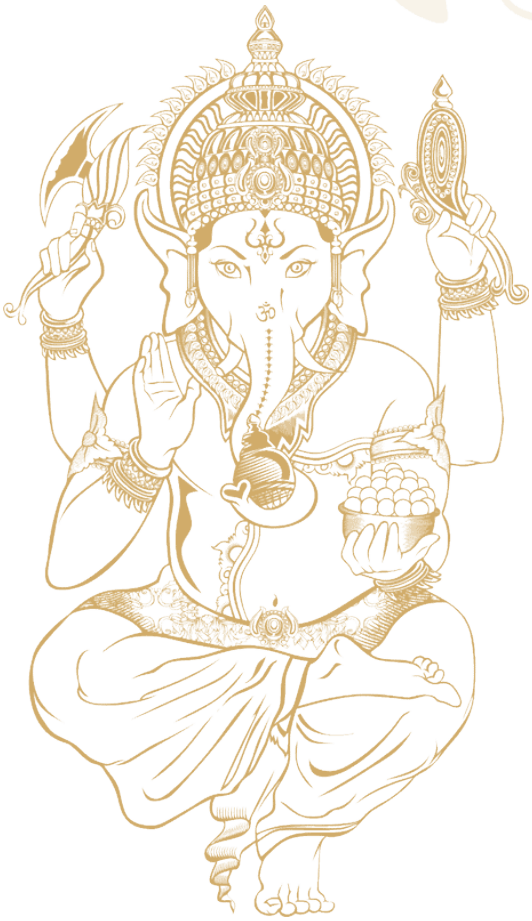

Mr.sidharth Gupta

Ms.Jesika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120775601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120775601 Date: 31/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/10/1998	जन्म तिथि	23-24/01/2001
शनिवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 11:34:00	जन्म समय	03:35:00 घंटे
घटी 13:04:50	जन्म समय(घटी)	50:47:44 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Jaipur
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:20:03	सूर्योदय	07:15:54
18:12:17	सूर्यास्त	18:01:25
23:50:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:04
वृश्चिक	लग्न	वृश्चिक
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कुम्भ	राशि	मकर
शनि	राशि-स्वामी	शनि
शतभिषा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
राहु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	3
शूल	योग	वज्र
कौलव	करण	चतुष्पाद
सा-सात्विक	जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
अश्व	योनि	नकुल
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	सिंह

Pt.Yogendra Kumar Sharma
B-622Murlipra Scheme Jaipur
919314234454

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 13वर्ष 3मा 22दि		23:30:40	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	16:20:10	सूर्य 2वर्ष 11मा 25दि	
गुरु		15:59:45	कन्या	सूर्य	मक	10:06:38	राहु	
25/01/2012		10:08:25	कुंभ	चंद्र	मक	03:21:39	19/01/2021	
25/01/2028		03:32:43	सिंह	मंगल	तुला	24:13:07	20/01/2039	
गुरु	14/03/2014	21:41:03	कन्या	बुध	मक	27:31:36	राहु	02/10/2023
शनि	24/09/2016	27:01:15	कुंभ व	गुरु व	वृष	07:19:24	गुरु	25/02/2026
बुध	31/12/2018	09:00:46	कन्या	शुक्र	कुंभ	27:02:45	शनि	01/01/2029
केतु	07/12/2019	07:54:02	मेष व	शनि व	वृष	00:11:35	बुध	21/07/2031
शुक्र	07/08/2022	07:07:08	सिंह व	राहु व	मिथु	21:41:04	केतु	08/08/2032
सूर्य	26/05/2023	07:07:08	कुंभ व	केतु व	धनु	21:41:04	शुक्र	09/08/2035
चन्द्र	24/09/2024	15:04:26	मक व	हर्ष	मक	25:59:46	सूर्य	02/07/2036
मंगल	31/08/2025	05:33:59	मक व	नेप	मक	12:18:24	चन्द्र	01/01/2038
राहु	25/01/2028	12:05:06	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	20:38:02	मंगल	20/01/2039

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:04

लग्न-चलित

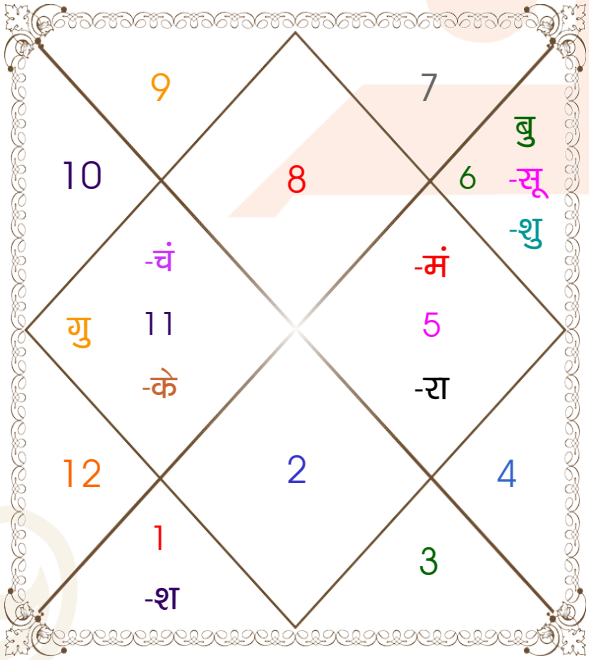

लग्न-चलित

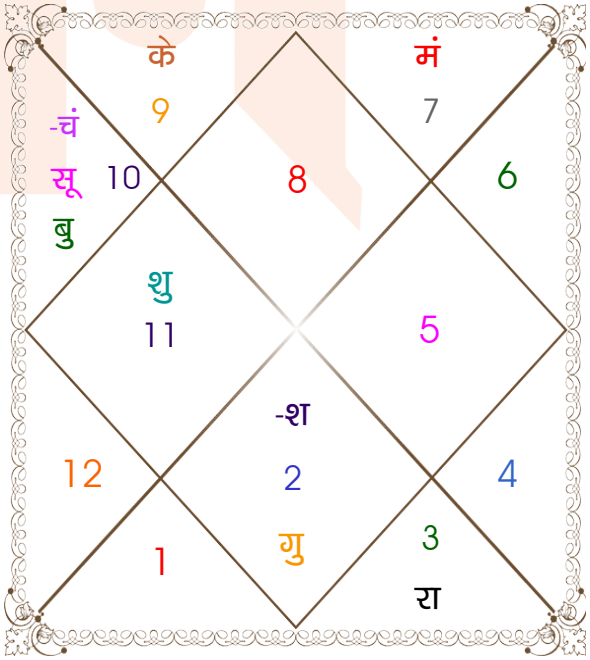

Pt.Yogendra Kumar Sharma
B-622Murlipra Scheme Jaipur
919314234454

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

कुल : **17.5 / 36**

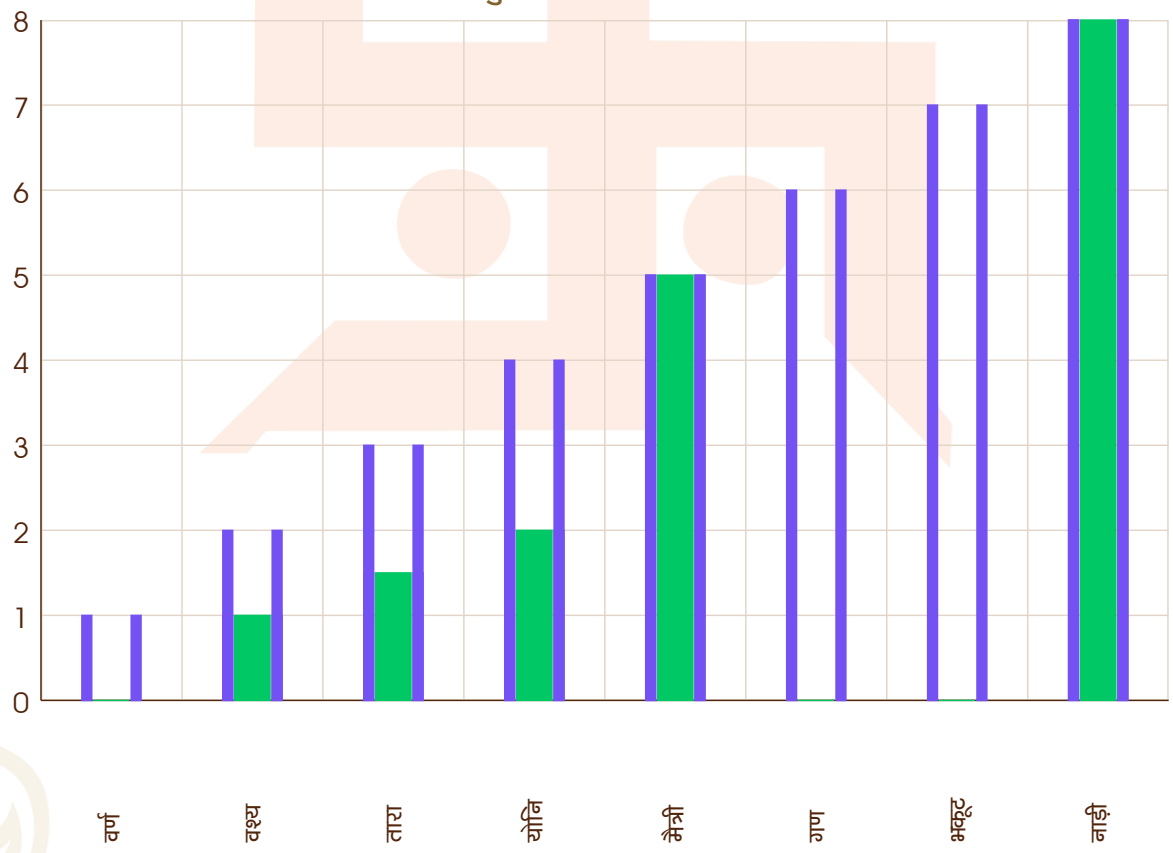

Pt.Yogendra Kumar Sharma
B-622Murlipra Scheme Jaipur
919314234454

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्पर्कीतजी ळनचजं का वर्ग मेष है तथा Ms.Jesika का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्पर्कीतजी ळनचजं और Ms.Jesika का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्पर्कीतजी ळनचजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms.Jesika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Jesika कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्पर्कीतजी ळनचजं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्पर्कीतजी ळनचजं तथा Ms.Jesika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

Pt.Yogendra Kumar Sharma
B-622Murlipra Scheme Jaipur
919314234454

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्पकींतजी ळनचजं का वर्ण शूद्र है तथा Ms.Jesika का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Ms.Jesika का वर्ण डतण्पकींतजी ळनचजं के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms.Jesika अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Ms.Jesika अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

डतण्पकींतजी ळनचजं का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.Jesika का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप डतण्पकींतजी ळनचजं एवं Ms.Jesika दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms.Jesika अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में डतण्पकींतजी ळनचजं अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

डतण्पकींतजी ळनचजं की तारा क्षेम तथा Ms.Jesika की तारा वध है। Ms.Jesika की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह डतण्पकींतजी ळनचजं एवं Ms.Jesika दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms.Jesika अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

डतण्पकींतजी ळनचजं की योनि अश्व है तथा Ms.Jesika की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्पकींतजी ळनचजं एवं Ms.Jesika दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण्पकींतजी ळनचजं एवं Ms.Jesika दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

डतण्पकींतजी ळनचजं का गण राक्षस है तथा Ms.Jesika का गण मनुष्य है। अर्थात Ms.Jesika का गण डतण्पकींतजी ळनचजं के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

डतण्पकींतजी ळनचजं से Ms.Jesika की राशि द्वादश भाव में स्थित है Ms.Jesika से डतण्पकींतजी ळनचजं की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में डतण्पकींतजी ळनचजं परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Ms.Jesika का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Ms.Jesika की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Ms.Jesika तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने

पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

डतण्पकींतजी ळनचजं की नाड़ी आद्य है तथा Ms.Jesika की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। डतण्पकींतजी ळनचजं की आद्य नाड़ी तथा Ms.Jesika की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्पकींतजी ळनचजं की जन्मराशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Ms.Jesika की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर राशि है। वायु तथा पृथ्वी में नैसर्गिक विषमता के कारण इनमें स्वभावगत असमानताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंध विशेष मधुर नहीं होंगे एवं वैवाहिक जीवन प्रतिकूल रहेगा। अतः यह मिलान सामान्य रहेगा।

डतण्पकींतजी ळनचजं और Ms.Jesika की जन्मराशि का स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य परस्पर संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रहेगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे की पूर्ण सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। डतण्पकींतजी ळनचजं और Ms.Jesika एक सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे जीवन में सुख शांति की वृद्धि होगी तथा आनन्दपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

डतण्पकींतजी ळनचजं और Ms.Jesika की राशियां परस्पर द्वादश तथा द्वितीय भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह एक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभप्रभावों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा लेकिन राशि स्वामी एक होने के कारण विशेष अनिष्ट की संभावना नहीं रहेगी तथापि यदि डतण्पकींतजी ळनचजं और Ms.Jesika दोनों बुद्धिमता तथा सामंजस्य की प्रवृति से कार्य करें तो अशुभ प्रभावों में न्यूनता होगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

डतण्पकींतजी ळनचजं का वश्य मानव तथा Ms.Jesika का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अन्तर रहेगा। साथ ही शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी तथा दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

डतण्पकींतजी ळनचजं का वर्ण शूद्र तथा Ms.Jesika का वर्ण वैश्य है। अतः डतण्पकींतजी ळनचजं की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी एवं परिश्रम से करने की रहेगी जबकि Ms.Jesika की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा धन को वे विशेष महत्व प्रदान करेंगी।

धन

डतण्पकींतजी ळनचजं और Ms.Jesika दोनों की तारा सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा। साथ ही इनकी जन्म राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा मंगल का अशुभ प्रभाव भी Ms.Jesika की आर्थिक स्थिति पर रहेगा। इस प्रकार डतण्पकींतजी ळनचजं और Ms.Jesika का धनार्जन होता रहेगा लेकिन यदा कदा आर्थिक विषमता की स्थिति का उनको सामना करना पड़ेगा।

भकूट दोष के प्रभाव से डतण्पकींतजी ळनचजं की प्रवृति व्यसनी होगी। अतः जुआ या अन्य आदतों पर वे अनावश्यक व्यय करने में प्रवृत होंगे। साथ ही मंगल के अशुभ प्रभाव से Ms.Jesika की प्रवृति अधिक व्यय करने की रहेगी। अतः डतण्पकींतजी ळनचजं और Ms.Jesika दोनों को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

स्वास्थ्य

डतण्पकींतजी ळनचजं का जन्म आद्य तथा Ms.Jesika का जन्म अन्त्य नाड़ी में हुआ है। अतः ये दोनों नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे लेकिन मंगल का डतण्पकींतजी ळनचजं के स्वास्थ्य पर शुभ प्रभाव नहीं होगा। अतः इससे वे रक्त या पित संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही गुप्त रोगों की भी संभावना होगी एवं संभोग शक्ति में कमी के कारण दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता करने के लिए डतण्पकींतजी ळनचजं को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास भी करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्पकींतजी ळनचजं और Ms.Jesika का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्पकींतजी ळनचजं और Ms.Jesika के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.Jesika के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.Jesika को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.Jesika को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्पकींतजी ळनचजं और Ms.Jesika सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्पकींतजी ळनचजं और Ms.Jesika का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Jesika के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Ms.Jesika किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

Ms.Jesika के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Ms.Jesika को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Ms.Jesika को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Ms.Jesika के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Ms.Jesika के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

डतण्पकींतजी ळनचजं के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को डतण्पकींतजी ळनचजं अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी डतण्पकींतजी ळनचजं के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण डतण्पकींतजी ळनचजं के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।